



महान ध्येय का मौन में ही सृजन होता है।
Great goal; s cration takes place in silence.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 238 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, मंगलवार 11 मार्च 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

छत्तीसगढ़ में ऊर्जा क्रांति : 3 लाख करोड़ का निवेश, चार तरह के पावर प्लांट से बनेगी अपार ऊर्जा

'छत्तीसगढ़ एनर्जी इन्वेस्टर्स समिट' में अदानी, जिंदल और एनटीपीसी समेत कई कंपनियों ने किया निवेश का ऐलान



धर्मल और न्यूक्लियर पावर से भी मिलेगी छत्तीसगढ़ को ऊर्जा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ अब ऊर्जा क्रांति की ओर तेजी से बढ़ रहा है। आज रायपुर में हुए 'छत्तीसगढ़ एनर्जी इन्वेस्टर्स समिट' में कई बड़ी कंपनियों ने 3 लाख करोड़ से ज्यादा का निवेश का ऐलान किया है। इस निवेश से राज्य में परमाणु, धर्मल, सौर और पंप स्टोरेज जैसे क्षेत्रों में बिजली उत्पादन के नए प्रोजेक्ट शुरू होंगे। इससे न केवल उद्योगों को फायदा मिलेगा, बल्कि आम लोगों को भी सस्ती और निरंतर बिजली मिल सकेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कहना है कि छत्तीसगढ़ में ऊर्जा के क्षेत्र में यह निवेश राज्य की बिजली उत्पादन क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देकर हरित भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा। हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ न केवल ऊर्जा में आत्मनिर्भर बने, बल्कि पूरे देश के लिए एक ऊर्जा हब के रूप में स्थापित हो।

छत्तीसगढ़ पहले से ही 30,000 मेगावाट बिजली का उत्पादन कर रहा है, जो देश के औसत से ज्यादा है। अब हर व्यक्ति को 2048 किलोवाट-घंटे बिजली मिल रही है, जिससे राज्य की ऊर्जा जरूरतें पूरी हो रही

हैं। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में एनटीपीसी ने 80,000 करोड़ रुपये की लागत से 4200 मेगावाट क्षमता का न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट लगाने की योजना बनाई है। इससे छत्तीसगढ़ में परमाणु ऊर्जा से बिजली उत्पादन की शुरुआत होगी।

धर्मल पावर क्षेत्र में भी बड़े निवेश की घोषणा हुई है। अदानी पावर 66,720 करोड़ रुपये खर्च कर कोरबा, रायगढ़ और रायपुर में 1600-1600 मेगावाट के तीन धर्मल पावर प्लांट लगाएगा। जिंदल पावर रायगढ़ में 1600 मेगावाट बिजली उत्पादन के लिए 12,800 करोड़ रुपये का निवेश करेगा, जबकि सरदा एनर्जी रायगढ़ में 660 मेगावाट क्षमता के प्लांट के लिए 5,300 करोड़ रुपये लगाएगी। इसके अलावा, सरकारी कंपनियां एनटीपीसी और सीएसपीजीसीएल 41,120 करोड़ रुपये की लागत से 4500 मेगावाट

एनटीपीसी समूह छत्तीसगढ़ में 96,000 करोड़ रुपये का करेगा निवेश

GOVT की सुविधा के अलावा स्थायी ऊर्जा स्रोतों को एक प्रमुख बढ़ावा देने में स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण के प्रति भारत के प्रयासों के साथ, NTPC सीमित है इसकी सहायक NTPC ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (NGEL) ने कई योजनाओं पर हस्ताक्षर किए हैं। 96000 करोड़ रुपये के समझौते छत्तीसगढ़ सरकार के साथ हुए हैं। छत्तीसगढ़ ऊर्जा निवेशक शिखर सम्मेलन-2025 10 मार्च को रायपुर में आयोजित किया गया। समझौतों में परमाणु, पंप हाइड्रो और नवीकरणीय शामिल हैं राज्य में सौर/पवन/हाइड्रिड स्रोतों पर आधारित परियोजनाएं पर एनटीपीसी लिमिटेड के बीच पहले एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे।

बिजली उत्पादन करेंगी।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी छत्तीसगढ़ को बड़ी सफलता मिली है। जिंदल पावर और एनटीपीसी ग्रीन मिलकर 10,000 करोड़ रुपये खर्च कर 2500 मेगावाट सौर बिजली का उत्पादन करेंगे। इसमें डोलेसरा में 500 मेगावाट और रायगढ़ में 2000 मेगावाट के सौर प्लांट शामिल होंगे।

किसानों के लिए भी खुशखबरी है। पीएम कुसुम योजना के तहत 4100 करोड़ रुपये की लागत से 675 मेगावाट सौर बिजली का उत्पादन किया जाएगा और 20,000 सोलर पंप लगाए जाएंगे। इससे किसानों को सिंचाई के लिए सस्ती बिजली मिलेगी और डीजल पंपों की जरूरत कम होगी। इसके अलावा, 57,046 करोड़ रुपये की लागत से 8700 मेगावाट क्षमता के पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट भी शुरू होंगे। इसमें

एसजेएन कोटपाली में 1800 मेगावाट और जिंदल रिन्यूएबल द्वारा 3000 मेगावाट के प्रोजेक्ट शामिल हैं।

इन सभी निवेशों के जरिए छत्तीसगढ़ जल्द ही देश के सबसे बड़े ऊर्जा उत्पादक राज्यों में शामिल हो जाएगा। इससे उद्योगों, किसानों और आम लोगों को फायदा होगा और राज्य की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

प्रमुख निवेश और योजनाएं

परमाणु ऊर्जा- साफ और कुशल ऊर्जा उत्पादन के लिए 80,000 करोड़ रूपए का निवेश। **ताप विद्युत-** राज्य की ताप विद्युत क्षमता को मजबूत करने के लिए 1,07,840 करोड़ रूपए। **सौर ऊर्जा-** सौर ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार के लिए 10,000 करोड़ रूपए। **पीएम कुसुम योजना-** किसानों के बीच सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए 4,100 करोड़ रूपए। **पंप स्टोरेज परियोजनाएं-** ग्रिड स्थिरता के लिए ऊर्जा भंडारण में 57,046 करोड़ रूपए। **क्रेडा सौर पहल-** सौर ऊर्जा विस्तार के लिए 3,200 करोड़ रूपए। **पीएम सूर्य योजना-** राष्ट्रीय सौर छत परियोजना के तहत 6,000 करोड़ रूपए। **सरकारी भवनों में सौर ऊर्जा-** सरकारी इमारतों में सौर ऊर्जा अपनाने के लिए 2,500 करोड़ रूपए। **बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली-** ऊर्जा भंडारण क्षमता बढ़ाने के लिए 2,600 करोड़ रूपए। **पावर ट्रांसमिशन नेटवर्क-** बिजली पारेषण नेटवर्क को उन्नत करने के लिए 17,000 करोड़ रूपए। **RDSS (वितरण क्षेत्र योजना)-** वितरण बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए 10,800 करोड़ रूपए।

कांग्रेस विधायकों का हंगामा, स्पीकर ने जिलबित किया

रायपुर (विश्व)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र का आज 10दिन था, और कार्यवाही की शुरुआत कांग्रेस विधायकों के विरोध से हुई। यह विरोध पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घर पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी को लेकर था। कांग्रेस विधायकों के हंगामे के बाद, स्पीकर डॉ. रमन सिंह ने विरोध करने वाले विधायकों को सदन से निलंबित कर दिया। सोमवार को सदन में विभिन्न विभागों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम और वित्त मंत्री ओपी चौधरी अपने-अपने विभागों से संबंधित प्रश्नों का जवाब देंगे।



इसके साथ ही, सदन में पांच याचिकाओं की प्रस्तुति होगी, और वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनुदान मांगों पर भी चर्चा की जाएगी। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता संरक्षण मंत्री के विभाग से जुड़े विषयों पर भी चर्चा होगी, साथ ही वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन और महिला एवं बाल विकास मंत्री के विभागों पर भी बहस की जाएगी।

निलंबन के बाद नेता प्रतिपक्ष ने बुलाई कांग्रेस विधायक दल की बैठक

रायपुर (विश्व)। सदन में हुए निलंबन कार्रवाई के बाद नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने तुरंत कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई, जिसमें सभी कांग्रेस विधायक मौजूद रहे। इस बीच मंत्री रामविचार नेताम और वित्त मंत्री ओपी चौधरी विपक्षी विधायकों को मनाने पहुंचे, लेकिन कांग्रेस ने सदन की कार्यवाही से बहिर्गमन कर दिया। कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि विधानसभा में आवाज उठाने वालों पर कार्रवाई हो रही है, कोई भी विधायक सदन में प्रश्न उठाता है तो उसके यहां ईडी भेज देते हैं।

ईडी की रेड के बाद भूपेश बघेल बोले- सदन में सवाल पूछा तो मेरे घर भेज दी टीम

रायपुर (विश्व)। प्रवर्तन निदेशालय (ED) की टीम पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पट्टमनार भिलाई तीन निवास पर छापे की कार्यवाही के बाद रायपुर रवाना हो गई। इसके बाद भूपेश बघेल अपने बंगले से निकलकर बाहर आए और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, भाजपा घबरा गई है। ईडी के पास किसी तरह का कोई सबूत नहीं है। यह सब षड्यंत्र का हिस्सा है। कांग्रेस पार्टी और मेरे खिलाफ षड्यंत्र किया जा रहा है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा, ईडी अधिकारियों को मेरे निवास से कुछ नहीं मिला है। मेरे घर की तलाशी में मंत्राराम और पुनीत गुप्ता के बातचीत की पेन ड्राइव मिली है। अभिषेक सिंह के कंपनी का बांड पेपर मिला है, जिसका नाम सुनते ही छोड़ दिया गया। कांग्रेस



नेताओं को बदनाम करने की कोशिशें हो रही हैं। बघेल ने कहा, सुबह-सुबह ईडी की टीम मेरे घर पहुंची। मैं घर पर उस वक्त चाय पीते हुए अखबार पढ़ रहा था। ईडी के अधिकारियों ने कहा कि हम सच करने आए हैं। मैंने कहा कि सच वारंट कहाँ है। ईडी के अधिकारियों ने कहा, लेकर आ रहे हैं। भूपेश बघेल ने कहा, कवासी लखमा ने सदन में सवाल पूछ लिया था तो उसके घर ईडी की टीम आ गई थी। एक सवाल मैंने पूछ लिया था तो मेरे घर भी ईडी की टीम आ गई। यानि अरुण साव से ज्यादा विजय शर्मा की चलती है। भूपेश बघेल ने सभी कार्यकर्ताओं और विधायकों का दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, सभी मेरे लिए सुबह से मोर्चे पर डटे रहे। मैं सभी साथियों के साथ कहना चाहता हूँ कि आप सभी सजग और सतर्क रहें।



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

3 लाख करोड़

के निवेश प्रस्ताव के साथ ऊर्जा क्षेत्र में सतत

समृद्धि की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़

- ⚡ ताप विद्युत ₹1,07,840 करोड़
- ⚡ परमाणु ऊर्जा ₹80,000 करोड़ का निवेश
- ⚡ पंप स्टोरेज परियोजनाएं (PSP) ₹57,046 करोड़
- ⚡ पावर ट्रांसमिशन नेटवर्क ₹17,000 करोड़
- ⚡ पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (RDSS) ₹10,800 करोड़
- ⚡ सौर ऊर्जा ₹10,000 करोड़

- ⚡ पीएम सूर्य घर योजना ₹6,000 करोड़
- ⚡ पीएम कुसुम योजना ₹4,100 करोड़
- ⚡ क्रेडा सौर पहल ₹3,200 करोड़
- ⚡ बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (BESS) ₹2,600 करोड़
- ⚡ सरकारी भवनों में सौर ऊर्जा ₹2,500 करोड़



QR स्कैन करें

